भागीरथपुरा जल कांड : सरकार ने हाईकोर्ट में मानी 16 मौतें

▶ डेथ ऑडिट पर कोर्ट सख्त, रिपोर्ट को बताया 'आई-वॉश'

नई पाइप लाइन का काम पूरा तो फिर दूषित पानी कैसे पहुंचा?

नगर निगम की ओर से बताया गया कि जिन 16 बोरवेल से गंदा पानी आ रहा था, उन्हें बंद कर दिया गया है. इस पर याचिकाकर्ता ने मांग की कि इन बोरवेल को सील किया जाए. निगम का तर्क रहा कि पूरी तरह सील करने से अन्य घरेलू उपयोग प्रभावित होगा, इसलिए पेम्फलेट और पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है. इस पर यह भी कहा गया कि क्षेत्र के अधिकांश रहवासी अशिक्षित हैं, ऐसे में केवल पोस्टर से जागरूकता कैसे संभव है. निगम की ओर से यह भी बताया कि हाल ही में 9.5 किलोमीटर लंबी नई पाइपलाइन डाल दी है. याचिकाकर्ता ने इस पर सवाल उठाया कि फरवरी 2023 में जारी टेंडर के अनुसार जनवरी 2026 तक 80 प्रतिशत काम पूरा बताया था और शेष कार्य एक माह में होना था, तो फिर दूषित पानी लोगों तक कैसे पहुंचा.

पानी की टेस्टिंग को लेकर भी लापरवाही...

पानी की टेस्टिंग को लेकर भी विवाद सामने आया. याचिकाकर्ता ने कहा कि निगम ने केवल 8 मानकों पर जांच की, जबकि 2018 में मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 34 मानकों पर जांच कर पानी को फीकल कंटामिनेटेड पाया था. ऐसे में कई मौतों के बाद भी सीमित मानकों पर जांच करना गंभीर लापरवाही है. मुआवजे को लेकर भी कोर्ट में तथ्य सामने आए कि मृतकों के परिजनों को दी जा रही दो-दो लाख रुपये की सहायता रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से है, न कि शासन की ओर से. याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि अन्य हादसों में शासन चार-चार लाख रुपये का मुआवजा देता है, लेकिन दूषित पानी से मरने वालों के मामले में सरकार की ओर से अब तक कोई प्रत्यक्ष सहायता नहीं दी गई. सुनवाई के अंत में हाईकोर्ट ने नगर निगम को वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा सुझाए गए परीक्षणों पर गंभीरता से विचार करने और कोर्ट द्वारा उठाई गई सभी आपत्तियों पर स्पष्ट व ठोस जवाब पेश करने के निर्देश दिए.

कोर्ट ने रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर उठाए सवाल

अदालत ने निर्देश दिए कि रिपोर्ट की विश्वसनीयता सिद्ध करने के लिए अधिक ठोस, प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएं. साथ ही अंतरिम राहत के स्वरूप पर भी चिंता जताई गई. कोर्ट ने यह सवाल भी उठाया कि गठित समिति अपने सुझावों का निष्पक्ष और प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित करेगी, क्योंकि क्षेत्र में लगातार हो रही मौतें और उनके कारणों को लेकर अनिश्चितता बेहद चिंताजनक है. याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया कि रिपोर्ट में 16 मौतों को दूषित पानी से जोड़ा गया है, लेकिन रिमार्क कॉलम में इसका स्पष्ट उल्लेख तक नहीं है कि ये मौतें उसी महामारीनुमा स्थिति से हुई या किसी अन्य कारण से. इस कॉलम में भ्रामक स्थिति दर्शाई गई है.

लेकर असमंजस की स्थिति है, जबकि तीन मौतें दूषित पानी से नहीं मानी गई हैं. कोर्ट को यह भी बताया कि भागीरथपुरा के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से में जलापूर्ति बहाल कर दी गई है, जो करीब साढ़े नौ किलोमीटर क्षेत्र में फैली है. न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने रिपोर्ट में इस्तेमाल किए गए वर्बल ऑटॉप्सी शब्द पर आपत्ति जताते हुए पूछा कि यह मेडिकल टर्म है या प्रशासन द्वारा गढ़ा गया शब्द. कोर्ट ने पाया कि रिपोर्ट में मौत के कारण स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं हैं और न ही उनके समर्थन में ठोस तर्क या प्रमाण संलग्न हैं, इसी आधार पर कोर्ट ने रिपोर्ट को अविश्वसनीय मानते हुए इसे महज 'आई-वॉश' बताया. भागीरथपुरा मामले की जांच के लिए हाई कोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता की अगुआई में ज्यूडिशियल जांच कमेटी बनाई है.र

भागीरथपुरा में थम नहीं रहा मौतों का सिलसिला

▶ उल्टी दस्त से बुजुर्ग की मौत, कुल संख्या बढ़कर 29 पहुंची

नव भारत न्यूज

इंदौर. दूषित पानी को लेकर चर्चा में रहे भागीरथपुरा क्षेत्र में मंगलवार शाम एक और मौत सामने आई है. 62 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगडऩे के बाद घर पर ही मौत हो गई. परिजनों का कहना है कि पिछले कई दिनों से उल्टी-दस्त की शिकायत बनी हुई थी. इस घटना के बाद क्षेत्र में मौतों का आंकड़ा 29 तक पहुंच गया है.

परिजनों के अनुसार मृतक की तबीयत चार से पांच दिन पहले खराब होना शुरू हुई थी. उल्टी दस्त की शिकायत के चलते उन्हें स्थानीय संजीवनी क्लिनिक में दिखाया था, जहां से दवाएं दी गई, लेकिन हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ. दोबारा इलाज के बावजूद तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई और मंगलवार को उनकी घर पर ही मौत हो गई. मृतक के बेटे ने बताया कि पिता पहले मिल में काम करते थे. इलाज के दौरान परिवार ने कोई लापरवाही नहीं बरती, लेकिन दवाओं से कोई राहत नहीं मिली. उसने यह भी बताया कि उसी दौरान उसे और उसकी मां को भी उल्टी-दस्त की शिकायत हुई थी, हालांकि कुछ दिनों में दोनों की तबीयत संभल गई थी.

एक नजर में

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने लॉन्च किया ईजी

इंदौर. उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने उन्नत मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म, उज्जीवन ईज़ी (ईएज़वाई) लॉन्च करने की घोषणा की. यह बैंक की डिजिटल प्रक्रिया को प्राथमिकता देने की रणनीति को मज़बूत करने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है. उज्जीवन के ईज़ी को खुदरा ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, जो मोबाइल और वेब चैनलों पर एकीकृत, सुरक्षित और सहज बैंकिंग का अनुभव प्रदान करता है. उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के रणनीति और परिवर्तन (स्ट्रेटेजी और ट्रांसफॉर्मेशन) प्रमुख दीपक अग्रवाल ने कहा ईज़ी का लॉन्च एकल डिजिटल चैनलों से एकीकृत डिजिटल परितंत्र की ओर अग्रसर होने के हमारे प्रयास को रेखांकित करता है. यह प्लेटफॉर्म तेज़ नवाचार, ग्राहक सहभागिता और वहनीय कारोबार के विकास को आगे बढ़ाने में मदद करता है.

बंधन बैंक ने मासिक एवरेज बैलेंस घटाया

इंदौर. भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बंधन बैंक ने स्टैंडर्ड सेविंग्स अकाउंट के लिए मासिक औसत शेष (एमएबी) की आवश्यकता में महत्वपूर्ण संशोधन की घोषणा की है, जबकि खाते की सभी सुविधाएँ और लाभ पहले की तरह ही रहेंगे. स्टैंडर्ड सेविंग्स अकाउंट के लिए एमएबी की आवश्यकता को 5,000 रुपए से घटाकर 2,000 रुपए किया जा रहा है, जो 1 फरवरी, 2026 से प्रभावी होगी. बैंक के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य व्यवसाय अधिकारी राजिंदर कुमार बब्बर ने कहा गणतंत्र दिवस समानता और सशक्तिकरण का उत्सव है. बंधन बैंक में हम मानते हैं कि वित्तीय समावेशन इस दृष्टि का मूल आधार है. एमएबी की आवश्यकता कम करके हम बैंकिंग को अधिक सुलभ बना रहे हैं और ग्राहकों को बिना किसी बाधा के बचत करने व आगे बढ़ने में मदद कर रहे हैं.

ब्रिजस्टोन ने पंजाबी स्टार परमिश से मिलाया हाथ

इंदौर. ब्रिजस्टोन इंडिया ने पंजाब के लोकप्रिय गायक, अभिनेता एवं यूथ आइकॉन परमिश वर्मा के साथ साझेदारी का एलान किया है. कार को लेकर अपनी दीवानगी के लिए मशहूर परमिश की सुरक्षित मोबिलिटी और ड्राइविंग को लेकर व्यक्तिगत रुचि ने उन्हें ब्रिजस्टोन का स्वाभाविक सहयोगी बनाया है। इस साझेदारी के तहत परमिश वर्मा कुछ खास कैंपेन के लिए म्यूजिक पर आधारित कहानियां और सोशल मीडिया कंटेंट डेवलप करेंगे. ब्रिजस्टोन इंडिया के सेल्स एवं मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव शर्मा ने कहा, उत्तर भारत हमारे लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार है. परमिश वर्मा की विश्वसनीयता और श्रोताओं के साथ गहरा जुड़ाव उन्हें ब्रिजस्टोन को रिप्रजेंट करने के लिए आदर्श साथी बनाता है. इस साझेदारी से हमें नए, प्रेरणादायक और भरोसेमंद अनुभव चाहने वाले युवाओं के साथ सार्थक तरीके से जुड़ने में मदद मिलेगी. परमिश वर्मा ने कहा मुझे एक ऐसी कंपनी के साथ जुड़ने का गर्व है, जो गुणवत्ता को महत्वदेती है और ग्राहकों को सबसे आगे रखती है.

जोनाथन क्रिस्टी ने लोह कीन यू को हराया

इंदौर. इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी ने बेहतरीन रणनीति और अहम मौकों पर धैर्य का परिचय देते हुए सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को पुरुष एकल सेमीफाइनल में पराजित किया, जबकि विश्व नंबर एक एन से यंग ने महिला एकल फाइनल में चीन की वांग झी यी से भिड़ंत तय की. यह मुकाबले योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 जो की एक एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 टूर्नामेंट है और जो भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित किया जा रहा है, में शनिवार को खेले गए. मैच के बाद क्रिस्टी ने कहा दूसरे गेम में जब लोह वापसी करने लगे थे, तब मैंने खुद को संयमित रखा, खेल के अनुसार खुद को ढाला और जीत हासिल की.

क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन की हार, भारतीय चुनौती समाप्त

इंदौर. भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने चीनी ताइपे के लिन चुन-यी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्णायक क्षणों में पिछड़ते हुए तीन गेम के मुकाबले में हार गए. इसके साथ ही शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किंजा रही योनैक्स-सनराइज़ इंडिया ओपन 2026 में भारत की चुनौती समाप्त हो गई. यह टूर्नामेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड सुपर 750 इवेंट है. मैच के बाद लक्ष्य सेन ने कहा, यह बेहद करीबी मुकाबला था. तीसरा गेम दबाव भरा था. आज परिस्थितियों के हिसाब से वह बेहतर खेले. आज हवा का असर ज्यादा था, जिसके लिए मैं तैयार नहीं था. कल इतनी हवा नहीं थी और उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार बेहतर ढंग से खुद को ढाल लिया.

टेक्नो स्पार्क गो3 बेहतरीन सिग्नल के साथ बाजार में

इंदौर. भारतीयों के रोज़मर्रा के उपयोग को ध्यान में रखते हुए बनाया गया स्मार्टफोन टेक्नो स्पार्क गो3 अब देशभर में मात्र 8,999 रुपए की कीमत पर बाज़ार में आ गया है. यह स्मार्टफोन मजबूती, स्मार्ट फीचर्स और बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ लॉन्च किया गया है, ताकि यूज़र्स की रोज़ की ज़रूरतों को पूरी कर सके. देश जैसा दमदार इस सोच पर आधारित टेक्नो स्पार्क गो3 उन लोगों के लिए है जो स्टाइलिश के साथ भरोसेमंद भी हो और गिरने, गीला होने या कोई दाग लगने जैसी समस्याओं से सुरक्षित हो. स्पार्क गो3 में आईपी64 डस्ट और स्प्लैश रेसिस्टेंस के साथ ड्रॉप-रेडी मजबूती दी गई है, जिससे रोज़मर्रा के झटकों और हादसों की चिंता कम हो जाती है. जहां नेटवर्क कमजोर हो वहां भी नो नेटवर्क कम्युनिकेशन 2.0 टेक्नोलोजी से गोदामों, बेसमेंट, फैक्ट्रियों, निर्माण स्थलों और ग्रामीण इलाकों जैसे लो या नो-नेटवर्क एरिया में भी कनेक्ट रहने में मदद करती है।

बिना ज्यादा खर्च किए पोषण से भरपूर भोजन अपनाएं

इंदौर. हम जो रोज़ खाते हैं, उसका असर सिर्फ़ शारीरिक ऊर्जा या वजन पर नहीं पड़ता, बल्कि हमारी पूरी सेहत और प्रजनन स्वास्थ्य पर भी पड़ता है. बहुत से लोगों को लगता है कि पौष्टिक खाना महंगा होता है और हर किसी के बजट का हिस्सा नहीं हो सकता है. डॉ. अस्था जैन, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, इंदौर का कहना है कि सच यह है कि सही समझ और थोड़ी सी योजना के साथ, बिना ज़्यादा खर्च किए भी पोषण से भरपूर आहार दिनचर्या में अपनाया जा सकता है. शोध भी बताते हैं कि संतुलित और ज़रूरी पोषक तत्वों वाला भोजन अक्सर साधारण खाने की तुलना में महंगा महसूस होता है, लेकिन समझदारी से चुनाव करने पर यह अंतर काफी हद तक कम किया जा सकता है. इसके अतंर्गत पैकेट वाले खाने की बजाय सादी और साबुत चीज़ें चुनें. साबुत अनाज, दालें और मौसमी सब्ज़ियां न सिर्फ़ सेहत के लिए बेहतर होती हैं, बल्कि अक्सर प्रोसेस्ड भोजन से सस्ती भी पड़ती हैं. इनमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भरपूर होते हैं, जो शरीर के संतुलन और फर्टिलिटी दोनों के लिए ज़रूरी हैं. मौसम का खाना ज़्यादा खाएं. जो फल और सब्ज़ियां उसी मौसम में उगती हैं, वे आसानी से मिल जाती हैं और कीमत भी कम होती है. दाल, चावल, आटा या साबुत अनाज जैसी चीज़ें थोक में लेने पर अक्सर सस्ती पड़ती हैं. दालें, चना, राजमा और अंडे प्रोटीन के अच्छे और किफायती स्रोत है. बचा हुआ खाना फेंकने की बजाय उसका नया इस्तेमाल करें. जैसे बची हुई सब्ज़ियों से सूप या सलाद बनाना. इससे हर रुपये का पूरा फायदा मिलता है. कुछ चीज़ें जैसे अंडे, दालें और मौसमी हरी सब्ज़ियां कम खर्च में ज़्यादा पोषण देती हैं.

निगमायुक्त ने मास्टर प्लॉन सड़कों का किया दौरा

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम आयुक्त ने आज मास्टर प्लान की सड़कों का दौरा किया. दौरे के दौरान उन्होंने अधिकारियों के समय पर काम पूरा करने के योजना बनाने के निर्देश दिए. साथ ही सड़क निर्माण के दौरान नर्मदा लाइन, सीवरेज लाइन, स्ट्राम वाटर लाइन अन्य यूटिलिटी का विशेष ध्यान रखने का भी कहा.

आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा आज शहर में मास्टर प्लान की सड़कों का मौका निरीक्षण किया. उन्होंने जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक 7.37 करोड़ रुपए, नेमीनाथ चौराहे से जिंसी चौराहे तक 3.46 करोड़ रुपए, सुभाष मार्ग गोल मंदिर से रामबाग पुल तक 20.14 करोड़ रुपए तथा एयरपोर्ट रोड से एम.आर.-5 को जोड़ने वाली 30.27 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली लिंक रोड का दौरा किया. आयुक्त ने सड़क निर्माण में बाधक अतिक्रमणों के संबंध में भी जानकारी ली. उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान सड़कों को बनाने के संबंध में समयबद्ध योजना बनाई जाए और उसी अनुरूप कार्य करें. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजन गांवकर, कार्यपालन यंत्री नरेश जायसवाल, पी एस कुशवाह, उपयंत्री देवेंद्र सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे.

तेजी से करें काम

इसके बाद आयुक्त ने खड़ा गणपति से टिगरिया बादशाह सड़क का सीमांकन आर आई पटवारी से समन्वय कर जल्दी करने के निर्देश दिए. साथ ही एमआर 4 भंडारी ब्रिज से बाणगंगा रेलवे क्रॉसिंग तथा आर डब्लू 1 बाणगंगा रेलवे क्रॉसिंग से आईएसबीटी तक 30 मीटर चौड़ी सड़क का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए.

कांग्रेस में दो पिछड़ों के बीच राज्यसभा की दौड़

▶ कुछ अन्य भी किला लड़ा रहे, लेकिन दिल्ली से दूर

इंदौर. मध्यप्रदेश से कांग्रेस का एक राज्यसभा सांसद बनने की दौड़ चल रही है. दौड़ में पिछड़ा वर्ग समुदाय के दो नेता राज्यसभा जाने के लिए प्रयासरत हैं. यह बात अलग है कि प्रदेश की एक महिला सहित पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के नेता भी राज्यसभा की दौड़ में शामिल है.

कांग्रेस हाईकमान ने मध्यप्रदेश से दिग्विजयसिंह को बाहर करने का निर्णय ले लिया है. हाईकमान अब किसी युवा और पिछड़े वर्ग के नेता को राज्यसभा सांसद बनाने का इच्छुक हैं. राज्यसभा की दौड़ में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, महासचिव कमलेश्वर पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के नाम चर्चा में है. उपरोक्त नामों में से पिछड़ा वर्ग को कांग्रेस साधना चाहती है, क्योंकि सबसे ज्यादा दूर कांग्रेस से पिछड़ा वर्ग जातियां ही हुई है. इसकी वजह यह है कि भाजपा ने 2003 से ही प्रदेश की कमान पिछड़ी जाति को सौंप रखी है. भाजपा ने मध्यप्रदेश सहित उत्तरप्रदेश में भी पिछड़ी जाति के नेताओं को महत्वपूर्ण पदों पर बैठाया है. वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के पास सिंधिया जाने के बाद से ग्वालियर चंबल संभाग से कोई कद्दावर नेता नहीं बचा है. विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र भी कांग्रेस के लिए बहुत महत्व का है, इस इलाके में भी पिछड़ी जाति के कई समाज है. इस समय दोनों क्षेत्र बिना प्रतिनिधित्व के है और चंबल एवं विंध्य को साधना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है. ऐसी चर्चा है कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने भी मालवा से अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष पद देने के बाद विंध्य क्षेत्र को प्रतिनिधित्व देने की बात कही है. पिछड़ा वर्ग के राजमणि पटेल के बाद से पिछड़ा वर्ग को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है. दो बार दिग्विजयसिंह बन गए.

पटेल की विंध्य क्षेत्र में मजबूत पकड़

माना जा रहा है कि विंध्य कांग्रेस के युवा नेता और पार्टी महासचिव रहे कमलेश्वर पटेल के नाम पर भी विचार हो रहा है. पटेल भी पिछड़ा वर्ग से आते है और विंध्य क्षेत्र में मजबूत पकड़ वाले नेता भी हैं. क्षेत्र के पिछड़ा वर्ग समुदाय में वर्चस्व भी रखते है. पटेल को दिग्विजयसिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की सहमति के साथ विंध्य से होने का फायदा मिल सकता है. पटेल के पिता इंद्रजीत सिंह पटेल दिग्विजय मंत्रिमंडल में मंत्री थे. सिंघार ने पार्टी हित में बात कह दी की मालवा से दो वर्ग को नेतृत्व है, इसलिए विंध्य के पिछड़ा और अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्र को साधना हितकारी हो सकता है. जो भी हो, लेकिन राज्यसभा की दौड़ दो पिछड़े नेताओं के बीच चल रही है। अब देखना होगा कि पटवारी या पटेल कौन बाजी मारता है. कांग्रेस को महिला को लेना रहा तो फिर मीनाक्षी नटराजन पर सहमति बन सकती है.

नटराजन का नाम सबसे आगे

बताया जा रहा है कि मंदसौर की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नाम सबसे आगे चल रहा है, लेकिन उनके साथ मालवा क्षेत्र से होने का खतरा है. यही बात पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव पर भी लागू हो रही है, वे भी मालवा से आते है. तीसरा नाम है सज्जन सिंह वर्मा का, वे भी मालवा क्षेत्र से ही आते है, लेकिन पिछड़े की बजाय अनुसूचित जाति से होने का लाभ मिल सकता है, यदि कांग्रेस को अनुसूचित जाति को उपकृत करना रहा तो ही, अन्यथा सज्जन भी दौड़ से बाहर है. कमलनाथ के संबंध गांधी परिवार से पहले जैसे नहीं है, लेकिन वे प्रयास कर रहे हैं. इन सब के बीच जो मुख्य नाम है वह जीतू पटवारी और कमलेश्वर पटेल का है. जीतू प्रदेश कांग्रेस चला रहे है और पार्टी के लिए खर्चा भी कर रहे हैं. पिछड़ा वर्ग से भी है. इस कारण जीतू की संभावना सबसे प्रबल दावेदार कर रूप में है, लेकिन मालवा क्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष होने का नुकसान भी हो सकता है. तीसरा पद भी मालवा से देने के बाद प्रदेश के विंध्य और चंबल संभाग में पार्टी नेताओं में असंतोष पैदा होने का खतरा भी है.

संकल्प से समाधान शिविर में महापौर ने सुनी समस्याएं

▶ नागरिकों से बातचीत कर योजनाओं की जानकारी दी

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज नगर निगम के संकल्प से समाधान शिविर में महापौर ने जनता से समस्याओं और शिकायतें सुनी. महापौर ने आंगनवाड़ी भवन की अनुमति और जनता को शासन की विभिन्न योजनाओं के विषय में तुरंत समाधान और लाभ देने के निर्देश दिए. शिविर में महापौर ने उपस्थित नागरिकों से बातचीत कर शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी.

आज नगर निगम का वार्ड 32 में संकल्प से समाधान शिविर आयोजित किया गया. शिविर में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नागरिकों से कहा कि मध्यप्रदेश सरकार 12 जनवरी से 31 मार्च तक तीन चरणों में जन सुविधाएं और योजनाओं का लाभ देने के लिए आपके द्वार आई है. उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ खासकर गरीब और जरूरतमंद तक पहुंचे. महापौर ने बताया कि वृद्धा पेंशन, कल्याणी योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना जैसी अनेक योजनाएं सरकार चला रही है. इसके साथ नल कनेक्शन, जल निकासी, बिल्डिंग परमिशन, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे नगर निगम के कामों को लेकर शिकायतों पर सुनवाई की. शिविर में महिलाओं ने आंगनवाड़ी भवन की अनुमति नहीं मिलने की समस्या रखी. महापौर ने जिला अधिकारी से फोन पर चर्चा की और तुरंत समाधान करने का कहा. शिविर में स्थानीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, सैन्य अधिकारी वर्मन, पार्षद पूजा पाटीदार, पार्षद मनोज मिश्रा, महापौर प्रतिनिधि महेंद्र ठाकुर, वार्ड 34 के पार्षद पति संजय चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे.

सफाई व्यवस्था पर सख्त

शिविर में रहवासियों ने सड़क सफाई और खाली प्लॉटों पर कचरा फेंके जाने की शिकायत भी की. इस पर महापौर ने सीएसआई को व्यवस्था दुरुस्त करने आदेश दिए. महापौर ने सीएसआई से कहा कि सड़कों पर सफाई कम नजर आ रही, जबकि आप अच्छा काम करते हैं. साथ ही खाली प्लॉटों पर कचरा डालने वालों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए.

वेदपाठी बटुकों को नए वस्त्र व स्टेशनरी भेंट

इंदौर. जायंट्स ग्रुप ऑफ़ मालवा के तत्वावधान में नर्मदा किनारे स्थित माँ शरणम आश्रम पर नर्मदा जयंती के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय संस्था जायंट्स इंटरनेशनल की सेन्ट्रल कमिटी के सदस्य श्याम गोयल के मुख्य आतिथ्य में आश्रम के वेदपाठी विद्यार्थियों को नए वस्त्र एवं स्टेशनरी सामग्री भेंट की गई.

इस अवसर पर फेडरेशन काउंसिल मेम्बर रमणिक लाल सोनी, यूनिट डायरेक्टर अनिल व्यास, ग्रुप अध्यक्ष सुनील पांडे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. प्रवीण शर्मा सहित ग्रुप के सदस्यों ने विद्यार्थियों को तिलक लगाकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सामग्री भेंट की. सामूहिक जायंट्स प्रार्थना भी की गई. अतिथियों का स्वागत चरणजीत सिंह एवं गुरजीत सिंह ने किया. आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी शरणानंद महाराज का शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया. इस अवसर पर नियमित सेवाएँ देने के लिए डॉ. प्रवीण शर्मा का सम्मान भी किया गया. ग्रुप के सचिव एमजी पारीख, श्रीमती शकुन गोयल, उमा व्यास, कामिनी पांडे, डॉ. के.एम. शर्मा, प्रफुल्ल उपाध्याय, डॉ. नरेन्द्र शर्मा ने भी डॉ. शर्मा का सम्मान किया. माँ नर्मदा को 101 फीट लंबी चुनरी समर्पण कर दीपदान एवं संगीतमय आरती तथा प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ. संचालन सुनील पांडे ने किया और आभार माना एमजी पारीख ने.

पतन से बचने अहंकार को अपने पास नहीं फटकने दें : पं. शास्त्री

▶ भागवत कथा में धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

इंदौर. सुख और दुख जीवन के क्रम हैं, जिनसे कोई भी बच नहीं सकता. संसार को दुखों का महासागर माना गया है. भगवान की सभी लीलाएं समाज के लिए कल्याणकारी होती हैं. इन लीलाओं को सृष्टि की रचना करने वाले ब्रम्हाजी भी नहीं समझ सकें, फिर हम सब तो साधारण मनुष्य हैं. भगवान के पास दुख नाम का कोई शब्द है ही नहीं. सुख और दुख हमारे अंतर्मन की उपज हैं. हमारी जितनी कामनाएं बढ़ेंगीं, उतना ही दुख भी बढ़ेगा. पतन से बचने के लिए अहंकार को कभी भी अपने पास फटकने नहीं देना चाहिए। अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है.

जूनी इंदौर मुक्ति धाम सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे भागवत ज्ञानयज्ञ में भागवताचार्य पं. श्याम सुंदर शास्त्री ने मंगलवार को उक्त प्रेरक विचार व्यक्त किए. कथा शुभारम्भ के पूर्व आचार्य इंद्रानंद क्षोत्रिय, अशोक- संध्या सारडा, प. शांतिलाल व्यास, ओपी मालू, अरविन्द शर्मा, रामेश्वर कुमावत, प्रमोद खटोड़, प्रेम चौहान, ओमप्रकाश सोनकर, सहित अनेक भक्तों ने व्यास पीठ का पूजन किया. विद्वान वक्ता की अगवानी गोविन्द राठी, अनिल राठौड़, रूपेश सोनगरा, मनोरमा शर्मा, सरस्वतीदेवी सहित सैकड़ों भक्तों ने की. कथा के दौरान भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव, बाल लीलाओं और गोवर्धन पूजा के प्रसंग भी मनाए गए. मोक्ष धाम परिसर स्थित महामृत्युंजय मंदिर में पं. राजेश तिवारी एवं अन्य विद्वानों द्वारा भागवत का मूल पारायण भी किया जा रहा है। सोमवार को राष्ट्र वन्दना के पश्चात कथा प्रसंगानुसार राम एवं कृष्ण जन्मोत्सव भी मनाए गए.

एक नजर में

विद्याधाम पर ललिताम्बा महायज्ञ की पूर्णाहुति 108 दीपों से हुई महाआरती

सात क्विंटल फूलों से सजे पुष्प बंगले को निहारने उमड़े श्रद्धालु

इंदौर. श्रीविद्याधाम पर सोमवार शाम विद्वानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार की मंगलध्वनि के बीच मां ललिता महात्रिपुर सुंदरी को तेरह किस्म के सात क्विंटल फूलों से श्रृंगारित पुष्प बंगले में निहारने के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा. मंदिर के सामने महिलाओं द्वारा भजनों की प्रस्तुतियों के बीच सुर-ताल पर थिरकते श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों का उत्साह देखने लायक था. समूचे आश्रम में भक्तिभाव के समंदर की हिलोरे उमड़ रही थी. इस दौरान बार-बार मां के जयघोष से विद्याधाम परिसर गुंजायमान बना रहा. 108 दीपों से महाआरती के साथ इस पुष्प बंगले के दर्शन प्रारंभ हुए जो मध्य रात्रि तक चलते रहे.

श्री श्रीविद्याधाम के 31वें वार्षिक प्रकाशोत्सव के मुख्य दिवस पर सोमवार को भक्तों का अटूट सैलाब बना रहा. आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के पावन सानिध्य में सुबह स्वामी गिरिजानंद सरस्वती वेद-वेदांग विद्यापीठ के 151 भूदेवों ने वैदिक संध्या, शोडषोपचार पूजन-अभिषेक, श्रृंगार आरती, दुर्गा सप्तशती पाठ जैसे अनुष्ठान संपादित किए वहीं दोपहर में आचार्य पं. राजेश शर्मा सहित 51 विद्वानों द्वारा यज्ञशाला में चल रहे सग्रहमख ललिताम्बा महायज्ञ में सवा लाख के लक्ष्य के मुकाबले दो लाख आहुतियां पूर्ण होने पर यज्ञ देवता के जयघोष से समूचा परिसर गूंज उठा. आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा, राजेन्द्र महाजन, चंदन तिवारी, रमेश पसारी, रमेशचंद्र राठौर सहित अनेक श्रद्धालु दिनभर विभिन्न अनुष्ठानों की व्यवस्थाएं संभाले रहे. शाम 6 बजे आश्रम के 11 आचार्यों ने महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 108 दीपें से महाआरती के बाद जैसे ही मंदिर के पट खोले गए, मां के नयनाभिराम पुष्प बंगले के दर्शनों के लिए प्रवेश द्वार से मंदिर तक भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' को भी पुष्प बंगले में विराजित किया गया था.

देशी-विदेशी फूलों से महका पुष्प बंगला

रंगकर्मी दीपक कुसुमाकर और वृंदावन से आए दस कलाकारों द्वारा पिछले एक सप्ताह से सजाए जा रहे पुष्प बंगले में 13 किस्म के 7 हजार किलो फूलों से निर्मित मां पराम्बा भगवती एवं आश्रम स्थित सभी देवालयों के पुष्प श्रृंगार पूरे समय भक्तों मे आकर्षण के केन्द्र बने रहे. इन फूलों में कुंद, गुलाब, बिजली, आर्केड, गेंदा, डचगुलाब एवं थाईलैंड से बैंगलुरू के रास्ते इंदौर आए कार्नेशियन प्रजाति के फूलों का प्रयोग किया गया. आश्रम ट्रस्ट के पं. दिनेश शर्मा के अनुसार शाम से देर रात तक 20 हजार से अधिक भक्तों ने इस प्रकाशोत्सव में भागीदार बनकर पुण्य लाभ उठाया. मंगलवार को शाम 6 बजे से भगवती को 56 भोग समर्पण एवं दीपोत्सव के साथ इस प्रकाशोत्सव का सौल्लास समापन संपन्न हुआ.